

ब्रीफ न्यूज़

संविधान के 75 साल पूरे होने पर प्रदेश में चलेगा अभियान

भोपाल। देश में 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद तैयार किया गया संविधान 26 नवंबर 1949 को अपनाया गया था। इसके बाद देश में 26 नवंबर 1950 को संविधान लागू किया गया था। संविधान को अपनाने के 75 वर्ष पूरे होने पर संविधान की जाकरी के प्रति जन-जागरूकता के लिए 26 नवंबर 2024 से वर्ष भर चलने वाला 'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान अभियान' चलाने का निर्णय लिया है। इस संवध में संसदीय कार्य विभाग ने शासन के समस्त विभागों और संघीय आयुक्त और कलेक्टर्स को पत्र जारी कर निर्देश जारी किए हैं। अभियान के दौरान जन-सामान्य को संविधान की प्रस्तावना, संविधान का निर्माण और देश के संविधान पर गर्व करने जैसे बिन्दुओं पर मुख्य रूप से जानकारी दी जाएगी।

डॉइट टॉपिंग से सड़कों की गुणवत्ता में होगा सुधार

भोपाल। मध्यप्रदेश में सड़कों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और यात्राकारों को सुगम बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग आधिकारिक तकनीकों के उपयोग पर विशेष ध्यान दे रहा है। विभाग ने सड़क निर्माण की अत्याधिक डॉइट टॉपिंग तकनीक को अपनाने का निर्णय लिया है। इस दिशा में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 21 जिलों में यथानित 41 मार्गों पर इस तकनीक को लागू किया जाएगा। वाइट टॉपिंग सड़क निर्माण की एक अद्यूतिक तकनीक है, जिसमें पूरानी डामर सड़कों पर कंक्रीट की माटी परत चढ़ाई जाती है। यह प्रक्रिया सड़कों को न केवल मजबूत और टिकाऊ बनाती है, बल्कि उनकी आयु 20 से 25 सालों तक बढ़ा देती है।

फिर कूनों में ढहाँड़ेंगे चीते बाड़ में छाइने को तैयारी

भोपाल। मप्र में चीतों की घटती कूनों नेशनल पार्क में अब चीते खुलकर जिएंगे। उन्हें बड़े बड़े से खुले जंगल में छोड़े की तैयारी शुरू हो गई है। अब चीते खुले जंगल में ही रहेंगे, जिससे पर्यटकों को आसानी से उनके दीवार हो सकेंगे। एक बार फिर चीतों को खुले जंगल में छोड़ा जाएगा। बारिश का सीजन खत्म हो चुका है और हल्की ठंड का सालसिला भी शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार चीते अलग-अलग चरों में बाड़ से छोड़े जाएंगे। अभी तीरीख तय नहीं हुई है। बता दें कूनों नेशनल पार्क में 12 वर्षक और 12 वीता शावक हैं, सभी को बड़े बड़े में रखा है। वहीं अब पर्यटकों को उनके दीवार हो सकते हैं।

द्वारियों के प्रबंधन का अध्ययन दल पहुंचा अन्नामलाई

भोपाल। संजय टाइगर रिजर्व के नेतृत्व में अधिकारियों की 18 सदस्यीय टीम तमिलनाडु में मानव हाथी संर्वंग प्रबंधन अध्ययन दौरे पर तीसरे दिन दीम ने अन्नामलाई टाइगर रिजर्व के भ्रमण किया, अन्नामलाई टाइगर रिजर्व के डीएफओ ने बालपराई थ्रेट्र में बानव हाथी संर्वंग के प्रबंधन और इसे कम करने के तरीकों पर प्रेजेंटेशन दिया। संर्वंग प्रबंधन रणनीतियों को विकसित करने में इलाके की जाकरी और हाथी का व्यवहार महत्वपूर्ण कारक है। अन्नामलाई टाइगर रिजर्व ने हांका न लाने की नीति को अपनाया है और इन उपयोगों में माध्यम से पिछले दो सालों में हाथियों से संबंधित मृत्यु को शून्य कर दिया गया है।

प्रदेश के उत्पादों की धूम-लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना मध्यप्रदेश मंडप

सत्ता सुधार ■ भोपाल

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला प्रगति मैदान दिल्ली में मध्यप्रदेश मण्डप में शासकीय विभागों/निगम मण्डलों, स्वसंस्थायता समूहों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाईयों, स्टार्टअप तथा हस्तशिल्पियों द्वारा भाग लिया गया है। मण्डप में डिजिटरी के गोड आर्ट, छतरपुर के ट्रेयरोका एवं बैरूल के बेलमेटल शिल्प का सजीव प्रदर्शन किया जा रहा है। इस संजीव प्रदर्शन में दर्शक काफी रुचि ले रहे हैं। इस वर्ष भी यह मण्डप लोगों के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। इस मण्डप में ही उन्हें मध्यप्रदेश के पर्यटन का आनंद जैसा भी हो रहा है।

मण्डप में मध्यप्रदेश के जीआई उत्पादों



को गैलरी में आकर्षक रूप से प्रदर्शित किया गया है। जिनमें से कई उत्पादों के विक्रय स्टॉल भी लगाये गये हैं। दर्शक

रतलाम के नमकीन, मुरैना की गजक, बाग प्रिंट एवं उत्तरेन के बटिक प्रिंट के वस्त्र, चन्देरी एवं महेश्वरी साड़ियों की खरीद कर लुक उठा रहे हैं।

इस वर्ष मेले का यह 43वां संस्करण है। इस मेले में विभिन्न ग्राज, केन्द्र शासित

होते पर्याप्त व्यापार के स्वरूप के प्रदर्शन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की विश्वासी नारी शक्ति के अनुरूप एक जनवरी 2025 से प्रारम्भ होने वाले विकास के चार मिशन-युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब कल्याण एवं किसान कल्याण को दर्शाया गया है।

मेले में लोग मप्र के विभिन्न जीआई उत्पादों की एप्लीकेशन पर्सर्स इकाईयों/स्वसंस्थायता समूहों, श्लोपी तथा कारीगर मेले में लोग मप्र के विभिन्न जीआई उत्पादों की खुलत कर खरीदी कर रहे हैं। प्रदेश की एप्लीकेशन पर्सर्स इकाईयों/स्वसंस्थायता समूहों, श्लोपी तथा कारीगर मेले में लोग लेकर संतुरू हैं। मप्र मण्डप में विभिन्न स्टॉल एवं उत्पाद लोगों के आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं। आज दक्षिण स्व-संस्थायता समूह के स्टॉल पर पारम्परिक बेशभूषा में समूह के महिला सदस्य उपस्थित थे।

गीता को आचरण और व्यवहार में धारण कर प्राप्त की जा सकती है सफलता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की शिक्षा प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से भाग लेने की अपील

सत्ता सुधार ■ भोपाल



लेने की अपील की।

उत्तरेखण्डीय है कि भगवद गीता आधारित मूल्य शिक्षा प्रतियोगिता, स्कूल शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग के विकास मादित्य शोधीठ द्वारा इसकॉन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य छात्रों में व्यवहार में धारण करना और अपने जीवन को क्रमवाद से जोड़कर सर्वान् का अनुसरण करते हुए सफलताएँ प्राप्त कर सकते हैं। इस वर्ष गीता यथार्थी पर इसकॉन के साथ विभिन्न व्यसनों के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना है।

26 से 29 तक होंगी प्रतियोगिताएँ

जिला स्तरीय प्रतियोगिता के उत्तरेखण्डीय छात्रों के विकास की शिक्षा प्रतियोगिता, स्कूल शिक्षा प्रतियोगिता छात्रों के शीक्षक पाठ्यक्रम का आशयक नैतिक मूल्यों जैसे सत्यनिष्ठा, सहानुभूति, सम्मान और उत्तरायित से सम्पूर्ण जीवन के लिए डिजाइन की गई है। इसी ही उन्हें व्यवहार के उत्तरेखण्डीय छात्रों में गौ-शाश्वत विभाग के प्रति जागरूक करना और जीवन में व्यापार एवं जीवन के बीच विवरण के बारे में जागरूकता फैलाना है।

प्रतियोगिता के रूप में इसकॉन के उत्तरेखण्डीय छात्रों को विकास करने की जीतु विकास की शिक्षा प्रतियोगिता

व्यवित्तव के विकास है लक्ष्य

राज्य स्तरीय विजेताओं को मुख्यमंत्री गौ-शाश्वत विभाग जाएगा। यह मूल्य शिक्षा प्रतियोगिता छात्रों के शीक्षक पाठ्यक्रम का आशयक नैतिक मूल्यों जैसे सत्यनिष्ठा, सहानुभूति, सम्मान और उत्तरायित से सम्पूर्ण जीवन के लिए डिजाइन की गई है। इसी ही उन्हें व्यवहार के उत्तरेखण्डीय छात्रों में गौ-शाश्वत विभाग के प्रति जागरूक करना और जीवन में व्यापार एवं जीवन के बीच विवरण के बारे में जागरूकता फैलाना है।

प्रतियोगिता के रूप में इसकॉन के उत्तरेखण्डीय छात्रों को विकास करने की जीतु विकास की शिक्षा प्रतियोगिता

प्रतियोगिता के रूप में इसकॉन के उत्तरेखण्डीय छात्रों को विकास करने की जीतु विकास की शिक्षा प्रतियोगिता

सीएम आज करेंगे प्रदेश की पहली हाईटेक गौ-शाला का भूमि-पूजन

भोपाल के बराबरी डोबा में बनेगी, 10 हजार गायों की होगी क्षमता

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बराबरी डोबा, भूपाल में 10 हारा गायों की क्षमता वाली हाईटेक गौ-शाला का भूमि-पूजन शानदार सुबह 20 बजे करेंगे। इस अवसर पर पशुपालन एवं डेवेलपर गौ-शाला (स्वरिंग भ्राता) लखनऊ पर्ले एवं यात्रित रुक्षित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भूपाल एवं गौ-शाला के नियमित गायों एवं गौ-शाला के नियमित गायों जैसे गौ-शाला 25 एकड़ क्षेत्र में बनाए जा रही हैं। इसमें गायों के आधुनिक तरीके से रख-रखाव के बाल नेतृत्व से आयोजित की जा रही है। गायों उन्हें उत्तरायन के लिए भागवत करना और जीवन में एक गौ-शाला का गौ-शाला 25 एकड़ क्षेत्र में बनाए जा रही है। इसमें गायों के आधुनिक तरीके से रख-रखाव के बाल नेतृत्व से आयोजित की जा रही है। इसमें गायों के आधुनिक तरीके से रख-रखाव के बाल नेतृत्व से आयोजित की जा रही है। इसमें गायों के आधुनिक तरीके से रख-रखाव के बाल नेतृत्व से आयोजित की जा

ब्रीफ न्यूज़

अमेरिका में पढ़ने वाले छात्रों में भारत सबसे आगे, चीन को पछाड़ा

नई दिल्ली। अमेरिका में पढ़ रहे भारतीय स्टडेंट्स की संख्या सबसे ज्यादा है। 2009 के बाद पहली बार अमेरिका में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों की संख्या मामले में भारत ने चीन को पछाड़ा छोड़ दिया है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 2023-2024 में अमेरिका में करीब 3.3 लाख भारतीय छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, जो अमेरिका में पढ़ने वाले 11 लाख विदेशी छात्रों में 29.4 फीसदी हैं। पिछले अकादमिक साल में इंटरनेशनल छात्रों की संख्या में भारतीय छात्रों की संख्या 25.4 फीसदी थी। इस तरह 15 साल में पहली बार भारत इस सूची में टॉप पर है। 2023-2024 में अमेरिका में पढ़ने वाले चीन के छात्रों की संख्या 2.77 लाख है, पिछले वर्ष में 27.4 फीसदी की तुलना में इस बार यह घटकर 24.6 फीसदी रह गई। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका में भारत के पोर्ट ग्रेजुएट छात्रों की संख्या 1.96 लाख है जिसमें पिछले साल के मुकाबले 18 फीसदी का इजाफा हुआ है। भारत के अडियो-एट छात्रों की संख्या में 13 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई।

मैट गेट्ज़ ने अटॉर्नी जनरल के पद के लिए अपना नामांकन वापस लिया।

बॉशिंगटन। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक बड़ा झटका तब लगा जब पूर्व फ्लोरिडा रिपब्लिकन कांग्रेस सदस्य मैट गेट्ज़ ने गुरुवार को अमेरिकी अटॉर्नी जनरल के पद के लिए अपने नामांकन वापस लेने का निर्णय लिया। गेट्ज़ का यह फैसला उस समय आया जब उनके खिलाफ यौन आरोपों को लेकर विवाद और जाच का मुद्दा गरमाया था। गेट्ज़ ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक व्यापार में कहा, 20 नवंबर को मेरी बेटियों के साथ बेहतरीन बैठके हुईं।



युद्ध से जागा बना बच्चों का कब्रिस्तान स्वास्थ्य, सुरक्षा, शिक्षा से हो रहे वर्चित

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने जताई गहरी चिंता

एजेंसी ■ जाजा



जाजा में इजराइली के हवाई हमलों में मारे गए हजारों लोगों और भयावह परिस्थितियों के बीच फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी (यूएन-आरडब्ल्यूए) के प्रमुख जनरल फिलिप लाजारिनी ने गहरी चिंता जताई है। विश्व बाल दिवस पर उन्होंने गाजा के बच्चों के लिए कब्रिस्तान बताया है। उन्होंने कहा कि इजराइली हमलों में यहां बच्चों ने कंवल भर जा रहे हैं और धायल भी हो रहे हैं, बल्कि उन्हें सुरक्षा, शिक्षा और सामाज्य बचपन के अधिकारों से बचाना चाहिए है।

फिलिस्तीनी समूहों ने गाजा और वेस्ट बैंक में बच्चों की सुरक्षा तय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कारवाई कर रही है, क्योंकि उन्होंने एक और स्कूल का साल खो दिया है। वेस्ट बैंक के बच्चों की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे डर और चिंता के साए में जीने को मजबूर हैं।

फिलिस्तीनी समूहों ने गाजा और वेस्ट बैंक में बच्चों की सुरक्षा तय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कारवाई कर रही है, क्योंकि उन्होंने एक और स्कूल का साल खो दिया है। वेस्ट बैंक के बच्चों की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे डर और चिंता के साए में जीने को मजबूर हैं।

की मांग की है। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजराइली कारबाहियों से सबसे ज्यादा असुरक्षित बच्चे हैं, जो अपने जीवन के मौलिक अधिकारों से बचाना की चाहती हैं। यह फिलिस्तीनी समूहों ने गाजा और वेस्ट बैंक में बच्चों की सुरक्षा तय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कारवाई कर रही है, क्योंकि उन्होंने एक और स्कूल का साल खो दिया है। वेस्ट बैंक के बच्चों की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे डर और चिंता के साए में जीने को मजबूर हैं।

की मांग की है। फिलिस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि इजराइली कारबाहियों से सबसे ज्यादा असुरक्षित बच्चे हैं, जो अपने जीवन के मौलिक अधिकारों से बचाना की चाहती हैं। यह फिलिस्तीनी समूहों ने गाजा और वेस्ट बैंक में बच्चों की सुरक्षा तय करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय कारवाई कर रही है, क्योंकि उन्होंने एक और स्कूल का साल खो दिया है। वेस्ट बैंक के बच्चों की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे डर और चिंता के साए में जीने को मजबूर हैं।

इजराइल को हथियारों की आपूर्ति रोकने को लेकर बाइडन अपनी ही पार्टी में हिते

बॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को अब अपनी ही पार्टी के अंदर विरोध ज्ञेलना पड़ रहा है, कुछ डेमोक्रेटिक सांसदों ने इजराइल को हथियारों की आपूर्ति रोकने के बिल को समर्थन देने का मान बना लिया है, जिससे बाइडन प्रशासन दबाव में है। यह कदम बाइडन के लिए बड़ा झटका होगा, व्याकोंडी डोनाल्ड ट्रंप ने हमें इजराइल को हथियारों की आपूर्ति के खिलाफ अपनी स्थिति बांटा थी और इसे अपनी चुनावी अभियान का हिस्सा भी बनाया। अमेरिकी सीनेट ने इस बिल को रोक दिया है। बाइडन प्रशासन पहले से ही डेमोक्रेटिक सीनेटरों को इस विधेयक के खिलाफ वोट देने के लिए मनाने की कोशिश की थी, लेकिन पार्टी के कुछ सदस्य इस बिल को आगे बढ़ाने के पक्ष में थे। यह विधेयक इजराइल को 20 अब डॉलर से ज्यादा के हथियारों की आपूर्ति को रोकने का प्रस्ताव करता था। सीनेटर बर्नी सैंडर्स, पीटर वेल्च, जेफ मकले और ब्रायन शैट्ज द्वारा प्रस्तुत इस विधेयक पर मतदान हो चुका है।

एजेंसी ■ डाका

प्रयास है कि आगामी चुनावों में अवामी लोग की भागीदारी पर प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि, इस मामले में अत्याधिक सोड़ तब आया जब शेख हसीना की कट्टर राजनीतिक विरोधी बांग्लादेश नेशनल पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया ने युनूस की योजना का विरोध किया। बीएनपी, जो बांग्लादेश की सबसे मजबूत विश्वी पार्टी मानी जा रही है और आगामी चुनावों में सत्ता में आने की प्रबल दावेदार है, ने कहा कि लोकाधारी प्रक्रिया में सभी दलों की भागीदारी आवश्यक है।



नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

पूर्वरंग : तानसेन समारोह

प्रदेश के बाहर (संगोष्ठी एवं सांगीतिक प्रस्तुतियाँ)

22 नवंबर, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर

24 नवंबर, महा. सयाजीराव वि.वि., वडोदरा

26 नवंबर, डॉ. कला संगीत वि.वि., खेंगाड़

30 नवंबर, म. गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

प्रदेश में (संगोष्ठी एवं सांगीतिक प्रस्तुतियाँ)

22 - 24 नवंबर, 2024 - भोपाल

05 दिसंबर, 2024 - रीवा

06 दिसंबर, 2024 - गुरु

07 दिसंबर, 2024 - शिवपुरी

07 दिसंबर, 2024 - ओरछा

11 दिसंबर, 2024 - खंडवा

12 दिसंबर, 2024 - भोपाल

14 दिसंबर, 2024 - ग्वालियर

फिल्म-प्रदर्शन

04 - 08 दिसंबर, 2024 - भारत भवन, भोपाल

तानसेन एवं अन्य संगीत मनीषियों पर

कोंद्रित फिल्मों का प्रदर्शन

तान्त्रसेन संगीत २०२४ समारोह

उत्सव के १०० वर्ष

मुख्य समारोह

शुभारंभ 15 दिसंबर 2024 सायं 7.00 बजे

तानसेन समाधि परिसर, हजीरा

15-19 दिसंबर, 2024

प्रातः एवं सायंकालीन सभाएँ

तानसेन समाधि परिसर

हजीरा, बेहत, गुजरी महल - ग्वालियर

सौ से अधिक श्रेष्ठ संगीतज्ञों, गायकों की प्रस्तुतियाँ

जापान, इटली, इजराइल, फ्रांस के कलाकारों की सहभागिता

विस्तृत जानकारी वेबसाइट www.tansensamaroh.com पर उपलब्ध है

अन्य आकर्षण

• राष्ट्रीय तानसेन सम्मान अलंकरण

• राष्ट्रीय राजा मानसिंह तोमर सम्मान अलंकरण

• तानसेन केन्द्रित पुस्तक/स्मारिकों का लोकार्पण

• संगीत सभाओं का लाइव चित्रांकन

• 99 वर्षों की तानस

पार्टीयों के लिए चुनाव जीतने का एकमात्र फंड मुफ्त रेवड़ी कल्चर

प्रदेश सरकार अटल ग्रह ज्योति स्कीम में बिजली सब्सिडी घटाने की तैयारी में है। वर्तमान पात्रता 150 यूनिट है जिससे 100 काने का प्रस्ताव लगभग 62 लाख उपभोक्ता स्कीम से बाहर हो जाएगी। किसानों को झटका देने की तैयारी भी है जिन्हें लगभग दोगुनी महीनी बिजली मिलेगी। करदाता के पैसे से मुफ्त रेवड़ी बाटकर बाटों की फसल काटने के लिए सारे देश में मिसाल बन चुकी सरकार का यह कदम आश्वर्यजनक है। लगाता है कि चुनाव की वैतणी पार कर लेने के बाद अब सरकार को अपनी जेब में हुए छेद की फ़िक्र सताने लगी है।

मध्यप्रदेश सरकार की मुफ्त पैसा बाटनी लाइनी बहना जैसी ग्यारहोंठ चुनावी सरकार वाली योजना ऐसी मिसाल है जिसका विधानसभा चुनावों में देश के तमाम राजनीतिक दलों ने अंधानुकृण किया है। ताजा नंजीर महाराष्ट्र की है जहां भाजपा, शिरोंदेव सेना और अजित पवार की साझा सरकार ने एन चुनाव के पहले बदलों के बोट बटोरने का निर्दिष्ट एसा ही दाव खेला है बल्कि एक कदम आगे बढ़कर

बहायों को भी इसमें शामिल कर लिया है। बहरहाल महाराष्ट्र वित्तीय रूप से सूचित राज है और अपनी औद्योगिक और व्यापारिक अंदोररचना के चलते ऐसी योजनाओं चलाने में सक्षम साकार हो सकता है। मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था मूल रूप से कृषि आधारित है। औद्योगिकरण के लिए जरूरी अंदोररचना का शुरू से अभाव रहा है और अपनी तक का इतिहास देखें तो इस दिशा में हुए प्रयास ज्यादा सफल नहीं रहे हैं। औद्योगिकरण आकर्षित करने के तमाम सकारी आयोजनों के बावजूद स्थानीय उद्योग मूलतः मध्यम और लघु श्रेणी की ही है। अर्थात् बदहाली के कारण समय पर सरकारी न मिनाने से ये थोड़ी भी बदहाली का शिकार है। नीतीश उन तरफ पैदा होने वाली रोजगार की सम्भावनाएं धूमिल हो रही हैं। मुफ्त रेवड़ी कल्चर पर होने वाली बहस में अक्सर प्रश्न उठता है - इनसे सरकारों ने तात्परता को छोड़ दिया है? इनमें होने वाला गडबड़ ज्ञाता परिचय का मोहताज नहीं है। कन्यादान योजना में दो जीने वाली एक मुक्त रकम की लालच में विवाहित जोड़ों का पुनः विवाह और दहेज में दिए



जाने वाले सामान की सरकारी खरीद में भाष्याचार की खबरें सुर्खियां रही हैं। सरकारी खर्च पर दो जीने वाली मांगलसूत्र जैसी पवित्र वस्तु की खरीद में जमकर भ्रष्टाचार होता रहा है। निजी शिक्षण संस्थानों में बढ़ने वाले वर्चित वर्षों के छात्रों की छात्रवृत्ति के वितरण में भी करोड़ों का भ्रष्टाचार होता रहा है।

पग-पग नीर से किसानों के चेहरों पर आई रौनक

मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़ रहा है सिंचाई का रक्खा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री तुलसी गम सिलाकार के नेतृत्व में प्रदेश के जल संसाधन विभाग की विधिवृत्ति बढ़ावा देते हुए, अध्ययन एवं सूख सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से मध्यप्रदेश में निरंतर सिंचाई का रक्खा बढ़ रहा है। खेतों में पानी आने से जहां किसान पहले दो फसल ले पाते थे, अब तीसरी फसल भी लेने लगे हैं। साथ ही कृषि उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। प्रदेश की धरती पर पा - पा नीर से किसानों के चेहरों पर रौनक आ गया है।

प्रदेश में सिंचाई के रक्खे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रक्खा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, आज बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निर्माणधीन

सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रक्खा लगभग 65 लाख हेक्टेयर होने की सभावना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उसके लिए प्रदेश में उत्तर गति से कार्य किया जा रहा है। सरकार ने विभाग के लिए बजट में भी पर्याप्त राशि का प्रवाधन किया है। वर्ष 2024-25 के बजट में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए 13596 करोड़ रुपए का प्रवाधन किया गया है।

प्रदेश की सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना से उपर्युक्त नियंत्रण किया जाना बाधा देने वाली रोकथाम की जागरूकी बढ़ावा देनी चाही रही है।

परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना से उपर्युक्त नियंत्रण किया जाना बाधा देनी चाही रही है।

परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना के अंतर्गत बेतवा काढ़ा में जीना कांपलेकर, कोटव बैराज तथा लोअरओर परियोजनाओं का निर्माण किया जाना समिलित है। परियोजना के सिंचाई परियोजनाओं में केन - बेतवा लिंक परियोजना एक महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय परियोजना है। इसमें केन नदी पर दौधन बांध, आनुरूपीक कार्य एवं लिंक नहर का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इ

इस सीजन में गले का इन्फैक्शन, वायरल बुखार, जोड़ों में दर्द, डेंगू, मलेरिया, निमोनिया, अस्थमा, आथ्रईटिस, दिल व त्वचा से संबंधी समस्याएं अधिक बढ़ जाती हैं।



बदलते मौसम में इस तरह रखें अपने सेहत का ख्याल

बदलते मौसम की बजह से गले का इन्फैक्शन, वायरल बुखार, जोड़ों में दर्द, डेंगू, मलेरिया, निमोनिया, अस्थमा, आथ्रईटिस, दिल व त्वचा से संबंधी समस्याएं अधिक बढ़ जाती हैं। यदि इस सीजन का लुक्त उठाना है, तो आपनी दिनचर्या को सीजन के अनुरूप ढालना बहुत जरूरी है।



आयुर्वेद में औषधि समान मानी गई है मिश्री

ऐसे कई लोग हैं जो शक्कर और इससे बने फ्रूट आइट्स खाने से परेंज करते हैं, क्योंकि इसे बनाने में कई तरह के केमिकल का इस्तेमाल होता है। लेकिन वही मिश्री हमारी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद है। आयुर्वेदिक डॉ. ने इसके कई फायदे दिये हैं।

हम में से बहुत से लोग मिश्री यानी रॉक शुगर को मात्र फ्रेशनर के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। कई भारतीय रस्टोरेंट में इसे भजन के तौर पर चढ़ाव दिया जाता है। मिश्री को मिटास है जो भजवान श्री कृष्ण को भी माखन के साथ अंजित की जाती है। लेकिन, वह आप जानते हैं कि रॉक शुगर के कई स्वास्थ्य लाभ हैं? आज हम आपको मिश्री की कई स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी दे रहे हैं। मिश्री के चमत्कारी गुणों का जिक्र आयुर्वेद विशेषज्ञ दीक्षा भावसार भी कर चुकी है।

औषधीय गुणों से भरपूर है मिश्री

डॉ. भावसार नीती है कि भले ही मिश्री दाढ़ में मीठी तो होती ही है, लेकिन इसके सेवन से हमें कई लाभ मिलते हैं, क्योंकि मिश्री में औषधीय गुण भी होते हैं। ये शक्कर के मुकाबले कम केमिकल वाली होती है। मिश्री को पारंपरिक तरीके से बनाया जाता और इसलिए इसमें कई तरह के औषधीय गुणों से समृद्ध है।

चीनी की मिटास में सबसे शुद्ध है मिश्री

मिश्री का उत्पादन भी गन्ने के पैधे के जरिए होता है, जो कि श्वासाक्रिक तौर पर एक मीठा खाद्य पदार्थ है। इसे चीनी की सबसे शुद्ध मिटास मानी जाती है, क्योंकि इसमें छाप शुगर के इसके केमिकल का प्रयोग नहीं होता है। डॉ. भावसार के अनुसार, यह बिना किसी रसायन के चीनी का सबसे शुद्ध रूप है। पड़रस भजन (संपूर्ण आहार जिसमें 6 अल्प-अलग स्वाद हो) वो बहुत ज़रूरी होता है और इसमें मधुर रस यानी मीठे स्वाद की भी खास अहमियत है, उन्हीं में से एक मिश्री है।

इन लोगों को नहीं खानी चाहिए मिश्री

हालांकि, डॉ. भावसार कछु लोगों को इसके सेवन न करने की सलाह भी देती है। उनका कहना है कि उच्च शक्कर स्तर यानी हाई शुगर लेवल, कालोस्ट्रोल, हार्मोनल इशु, ऑटोइम्यन जैसी बीमारियों से सूझा रहे लोगों को मिश्री सहित चीनी के सभी खाद्य पदार्थों से

महंगी दवाओं से सस्ती पड़ेगी इस फूल से बनी चाय



कैलेंडुला एक बेहत प्रभावी फूल है। इसकी चाय बनाकर पीने से बुखार, जलन, घाघ और त्वचा से जड़ी समस्याओं में राहत मिलती है। इसमें एंटीऑक्सिट-एंटीफ्लैंग गुण होते हैं, जिसके प्रयोग से इक्कन से जड़ी पैरेशनिया दूर होती है।

कैलेंडुला का फूल दवाओं को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता है। इसके फूल त्वचा के लिए भी बहुत अच्छे माने जाते हैं। इसके कैलेंडुला की फूल की चाय दूर होती है। यह चाय फूलों से बनाते पानी में डालकर बनाती है। इसका एक फूलों और पत्तियों दोनों से मिलता है। बेला ही में वॉल रस्ट्रीट जर्नल के एक लेख पर विवाद करते हुए दावा किया गया कि 85 डेसिबल बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित है, लेकिन फिन्क ने कहा कि 85 डेसिबल किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है।

उद्धोने कहा 'लोगों को लगता है कि नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ऑक्सेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ ने सिफारिश की कि 85 डॉर्मी शेर जॉखिम स्तर से सुरक्षित है।' उद्धोने कहा, 'लोकिन एक शोर सर जॉ कारखाने के श्रमिकों या भारी उपकरण ऑपरेटरों में सुनवाइ जाने को नहीं रोकेगा, लेकिन ये एक छोटे बच्चे के

पांच साल की अवधि में 50 प्रतिशत से अधिक मात्रा में एक घंटे से अधिक व्यक्तिगत ऑडियो सिस्टम का उपयोग करने वाले लोगों के लिए श्रवण स्वास्थ्य जोखिम सबसे ज्यादा है। बाल ही में वॉल रस्ट्रीट जर्नल के एक लेख पर विवाद करते हुए दावा किया गया कि 85 डेसिबल बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित है, लेकिन फिन्क ने कहा कि 85 डेसिबल किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है।

उद्धोने कहा 'लोगों को लगता है कि नेशनल

इंस्टीट्यूट फॉर ऑक्सेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ ने सिफारिश की कि 85 डॉर्मी शेर जॉखिम स्तर से सुरक्षित है।'

उद्धोने कहा, 'लोकिन एक शोर सर जॉ कारखाने के श्रमिकों या भारी उपकरण ऑपरेटरों में सुनवाइ जाने को नहीं रोकेगा, लेकिन ये एक छोटे बच्चे के

बच्चों की सुनने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं हेडफोन, ईयरबड

विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि हेडफोन, ईयरबडस के बढ़ते उपयोग से बच्चों ने सुनने में प्रेशनिया होने की संभावना है क्योंकि उनकी श्रवण प्रणाली की सुनने में प्रेशनिया होने की संभावना है क्योंकि उनकी श्रवण प्रणाली की परिपक्वता अधूरी है और सामान्य श्रवण स्वास्थ्य सीखने से अधिक मात्रा में प्रतिदिन कई घंटे संगीत सुन रहे हैं।

अमेरिका रिस्त गैर-लाभकारी संस्था द्वितीय कॉफीलिशन के डेनियल फिक ने कहा 'रोजमर्स की जिंडगी में गैर-व्यासायिक शेर एक आसन शेर-प्रेरित को रोकने के लिए' श्रवण हानि समाजीक जब आज की युवा पीढ़ी मध्य जीवन तक पहुंचती है।' 2017 में, रेंग नियंत्रण और रोकथाम के क्रैंप्स ने अलग रूप से युवा लोगों के लिए भागमन शेर घरेलू उपकरण, जिनमें इंडियन और अमेरिकी व्यापार एवं मनोरंग खेल आदि से आता है।

पांच साल की अवधि में 50 प्रतिशत से अधिक मात्रा में एक घंटे से अधिक व्यक्तिगत ऑडियो सिस्टम का

उपयोग करने वाले लोगों के लिए श्रवण स्वास्थ्य जोखिम सबसे ज्यादा है। बाल ही में वॉल रस्ट्रीट जर्नल के एक लेख पर विवाद करते हुए दावा किया गया कि 85 डेसिबल बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित है, लेकिन फिन्क ने कहा कि 85 डेसिबल किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं है।

उद्धोने कहा 'लोगों को लगता है कि नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ऑक्सेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ ने सिफारिश की कि 85 डॉर्मी शेर जॉखिम स्तर से सुरक्षित है।'

उद्धोने कहा, 'लोकिन एक शोर सर जॉ कारखाने के श्रमिकों या भारी उपकरण ऑपरेटरों में सुनवाइ जाने को नहीं रोकेगा, लेकिन ये एक छोटे बच्चे के

फेफड़ों के साथ-साथ जिंदगी पर भी असर डालता है धूम्रपान



फेफड़े का कैसर लोगों में काफी आम है और दुनिया भर में कैसर से संबंधित गौतों का एक प्रमुख कारण भी यही है।

दुनिया भर में कैसर के जितने भी मामले हैं, उनमें से 13 फीसदी फेफड़े के कैसर से संबंधित है और कैसर से संबंधित 19 प्रतिशत गौतों के लिए भी यही जिम्मेदार है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2020 में फेफड़ों का कैसर, कैसर से संबंधित गौतों का सामान्य कारण रहा है।

फेफड़ों के कैसर के लिए सबसे महत्वपूर्ण जीखिम कारक सिगरेट स्मॉकिंग है। हालांकि सिगरेट या पांच के इस्तेमाल से भी फेफड़े में कैसर होने की आशंका बढ़ी रहती है। तबाक के धूंध में लगभग 7,000 कॉपरडेस होते हैं, जिनमें से कई विषेश होते हैं। उनमें फेफड़े का कैसर से संबंधित है और कैसर से संबंधित 19 ग्राम की गति होती है।

उद्धोने कहा, 'इस लागू किया गया अस्थायी से पता चलता है कि धूम्रपान से बालों में कॉविड-19 के साथ अच्युत गंभीर बीमारियों के विकासित होने की संभावना बढ़ती है।'

उद्धोने कहा, 'इस लागू किया गया अस्थायी से पता चलता है कि धूम्रपान से बालों में कॉविड-19 के साथ अच्युत गंभीर बीमारियों के विकासित होने की संभावना बढ़ती है।'

उद्धोने कहा, 'इस लागू किया गया अस्थायी से पता चलता है कि धूम्रपान से बालों में कॉविड-19 के साथ अच्युत गंभीर बीमारियों के विकासित होने की संभावना बढ़ती है।'

उद्धोने कहा, 'इस लागू किया गया अस्थायी से पता चलता है कि धूम्रपान से बालों में कॉविड-19 के साथ अच्युत गंभीर बीमारियों के विकासित होने की संभावना बढ़ती है।'

उद्धोने कहा, 'इस लागू किया गया अस्थायी से पता चलता है कि धूम्रपान से बालों में कॉविड-19 के साथ अच्य

नयनतारा हुई 40 साल की, मनाया बर्थडे

अभिनेत्री नयनतारा 40 साल की हो गई है। एकट्रेस धूमधार से अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही है। अभिनेत्री का डॉक्यूमेंट्री विवाद भी छाया हुआ है। अभिनेत्री की जिंदगी पर बेरस्ट डॉक्यूमेंट्री 'नयनतारा-बियॉन्ड फैयरी टेल' को लेकर लेडी सुपरस्टार नयनतारा और धनुष के बीच भी तकरार बढ़ती जा रही है।

दरअसल, डॉक्यूमेंट्री में फिल्म नानम राड़ी धान का एक गाना डालने पर प्रोड्यूसर और एक्टर धनुष ने नोटिस दिया है। नानम राड़ी धान फिल्म के प्रोड्यूसर धनुष थे। जिस पर अभिनेत्री ने धनुष को जमकर खीरी खाली भी सुनाई और सोशल मीडिया पर एक लंबा नोट पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मेरे जीवन, मेरे यार और शादी के बारे में इस नेटफिल्म के डॉक्यूमेंट्री के कई तोतों के विलप शामिल हैं, जिन्होंने अपना सहवाना किया है, लेकिन दुख की बात है कि इसमें सबसे खास और महत्वपूर्ण फिल्म नानम राड़ी धान शामिल नहीं है। उन्होंने बताया कि वो साल वह एनओसी (अनापति प्रमाण पत्र) के लिए अभिनेत्री से ज़ूझने और डॉक्यूमेंट्री रिलीज के लिए उनको मंज़ूरी का इंतजार करने के बाद टीम ने आखिरकार फिर से एडिटिंग करने और मैचूट वर्चन के लिए समर्जौता करने का फैसला लिया है।

बता दें कि इससे पहले भी लेडी सुपरस्टार कई बार सुर्खियों में आ चुकी हैं। बात साल 2014 की है, जब नयनतारा का एक एमएसएस लोक हो गया था। इस वीडियो में नयनतारा एक्टर सिन्हा को किस करने न जर आ रही थी। यह वीडियो जमकर वायरल हुआ था। इससे पहले नयनतारा ने एक इंटर्व्यू में ब्राउन कलर की क्षर्ट और कॉफ टॉप पहनकर ग्लैमरस अंदाज में शरकत की थी। अभिनेत्री को बॉडी शेपिंग का शिकाया होना पड़ा था। हालांकि, फिल्म जगत के तमाम सितारों ने अभिनेत्री का समर्थन किया और ट्रोलसें को जमकर खरी खोयी सुनाई थी।



मानुषी ने शेयर किया दिल छू लेने वाला वीडियो

वर्तमान में मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्कर मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने की 7वीं सालगिरह का जश्न मना रही है। मानुषी को 7 साल पहले मिस वर्ल्ड का ताज पहनाया गया था, जो न केवल उनके लिए बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का पल था।

हरियाणा के रोहतक में जन्मी मानुषी की इस सफलता ने राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा और आज जब वह अपनी यात्रा को याद कर रही है, तो उन्होंने अपने प्रशंसकों के साथ एक दिल छू लेने वाला वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में, मानुषी को देख कर युवा लड़कियों को प्रेरणा मिलती है, जो उनके नवशोकदम पर चलने और वही अविश्वसनीय सफलता प्राप्त करने का सपना देखती है। इस खास मौके पर मानुषी ने सोशल मीडिया के जरिए मिस इंडिया अर्गेनाइजेशन का अधार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, '+इंडियों को भेजने के लिए मिस इंडिया को धन्यवाद, धन्यवाद मिस वर्ल्ड, यह हमेशा मेरे लिए सबसे खास पर रहा होगा। मैं एक छोटी लड़की जी बार मैंने ताज पहनने और भारत को गौरवान्वित करने का सपना देखा था! मुझे बच्चों के बड़े सामने देखने और उसमें मेरी भूमिका निभाने से जायदा खुशी किसी और चीज से नहीं मिलती। मानुषी ने अगे कहा कि ये वीडियो एक विरोधाभास जैसा लग सकता है, लेकिन इस विनप्रतापूर्वक लिया जाना चाहिए। उन्होंने एक वीडियो में केक खाते और प्रियंका कुमारी और साना दुआ से उसे खिलाते हुए खुद को दिखाया। दूसरे वीडियो में वह अपनी टीम के साथ फिल्टिंग करती रही। खबरों के अनुसार, एंटीनी थैटिल एक बिजनेसमैन है। हालांकि, उनके बारे में जायदा जानकारी सार्वजनिक नहीं है, लेकिन बताया जा रहा है कि दोनों की शादी 12 दिसंबर को गोपा में हो सकती है। भले ही कीर्ति सुश्रूषा और एंटीनी थैटिल की फैस फैसेसी से इस खबर की पुष्टि की गई है। यह भी कहा जा रहा है कि शादी एक निजी समारोह होगा, जिसमें करीबी परिवार और दोस्तों को ही शामिल किया जाएगा। अंत में इन्होंने जीवन की खबरों में उत्साह बढ़ा दिया है।

हिना खान को मालदीव में लगी चोट

एक्ट्रेस हिना खान पिछले कुछ समय से स्टेज-शो बैस कैसर से जूझ रही है, लेकिन बाबूजूद इसके उन्होंने जिंदगी की चुनौतियों का सामना डटकर किया है। हालांकि, हाल ही में उनके साथ एक और हादसा हो गया है, जो उनके लिए मुश्किलों का नया दौर लेकर आया। हिना ने हाल ही में अपने इस्टर्न अकाउंट पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने मालदीव में छुट्टियां एंजॉय करते हुए लालों की जानकारी दी। हिना खान ने अपनी चोट को एक तस्वीर भी शेयर की, जिसमें उनके पैर पर खरांच साफ दिखाइ दे रही थी। पोस्ट में उन्होंने लिखा, हम बड़ी तकलीफ छोल लेते हैं। लेकिन ये छोटी-छोटी चोटें बहुत दर्द देती हैं, यार। इसके अलावा, हिना ने एक और तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह सोके पर चौटी हुई नजर आ रही है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, हिना खान को मालदीव की साथी भी मुश्किल क्यों न लगे, हार नहीं मानना और अपने सफर पर भरोसा रखना।



एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर : सुष्मिता सेन

बालोवृद्ध अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने एक बार फिर अपने प्रेरणादायक दृष्टिकोण से फैसल का दिल जीत लिया। इस्टाग्राम पर सुष्मिता सेन ने एक प्रेक्षक सेदेश साझा करते हुए लिखा, एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर है। सुष्मिता ने अपने पोस्ट में बताया कि सपने देखना जितना महत्वपूर्ण है, उससे भी अधिक जरूरी है। उन्होंने हकीकत में बदलने का प्रयास करना। उन्होंने कहा, इशारा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है, लेकिन बिना गति के यह बेकरा है। उनका संदेश बात पर जोर देता है कि छोटे-छोटे कदम भी बड़ी उत्तमियों का आधार बन सकते हैं। हाल ही में सुष्मिता को दांत के दर्द के लिए एक दंत चिकित्सक के पास जाते हुए देखा गया। जब चिकित्सक को उनसे बात चीती की, तो उनकी आवाज में लड़खड़ाहट स्पष्ट थी, जो दर्द और एनेस्थीसिया का परिणाम थी। इसके बाबूजूद उन्होंने अपनी खास मानजोशी और विनम्रता से पैरपार्जी का अधिकावान किया, जो उनके लिए एक अद्वितीय व्यक्तित्व को दर्शाता है। सुष्मिता का यह संदेश उनके फैस के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अपने जीवन और करियर में साहसिक और प्रभावशाली कदम उठाने वाली सुष्मिता ने यह साकित किया है कि इशारों को अमल में लाने की ताकत से हर सपना प्रूरा किया जा सकता है। बता दें कि सुष्मिता को अमल में लाने की ताकत किया है कि इशारों को अमल में लाने की ताकत किया है।

बालोवृद्ध अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने एक प्रेक्षक सेदेश साझा करते हुए लिखा, एक इंच आगे बढ़ना एक मील के सपने देखने से बेहतर है। सुष्मिता ने अपने पोस्ट में बताया कि सपने देखना जितना महत्वपूर्ण है, उससे भी अधिक जरूरी है। उन्होंने हकीकत में बदलने का प्रयास करना। उन्होंने कहा, इशारा एक शक्तिशाली उपकरण है, यह दिशा देने में मदद करता है, लेकिन बेकरा है। उनका संदेश बात पर जोर देता है कि छोटे-छोटे कदम भी बड़ी उत्तमियों का आधार बन सकते हैं। हाल ही में सुष्मिता को दांत के दर्द के लिए एक दंत चिकित्सक के पास जाते हुए देखा गया। जब चिकित्सक को उनसे बात चीती की, तो उनकी आवाज में लड़खड़ाहट स्पष्ट थी, जो दर्द और एनेस्थीसिया का परिणाम थी। इसके बाबूजूद उन्होंने अपनी खास मानजोशी और विनम्रता से पैरपार्जी का अधिकावान किया, जो उनके लिए एक अद्वितीय व्यक्तित्व को दर्शाता है। सुष्मिता का यह संदेश उनके फैस के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अपने जीवन और करियर में साहसिक और प्रभावशाली कदम उठाने वाली सुष्मिता ने यह साकित किया है कि इशारों को अमल में लाने की ताकत किया है।



बेहद हसीन... तस्वीरों की सीरीज शेयर की माधुरी दीक्षित ने



सोशल मीडिया को खूबसूरत पोस्ट से गुलाजार रखने वाली अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने एक बार पिंजर से अपनी बेहद हसीन तस्वीरों की सीरीज शेयर की है। देवदास की चांदमुखी से अपनी खूबसूरत तस्वीरों की ज़िलक दिखाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम।

गोल्डन अटरफिट में तस्वीरों से शेयर कर अभिनेत्री को कैशन में लिखा सोने की चम्क कुछ पल की है, प्यार का नूतों तो हमेशा का है। शेयर की गई तस्वीरों में माधुरी कमाल की लमा रही है। एक से बढ़कर एक हिट फिल्मों देने वाली अभिनेत्री की तस्वीरों को उनके फॉनों असर काफी पसंद कर रहे हैं। गोल्डन अटरफिट वाली माधुरी दीक्षित की तस्वीरों पर कर्मचार उनके फैन ने लिखा, आप एक बार्यरीन हैं। एक अन्य ने लिखा, आप हर लुक में खूबसूरत लगती हैं। माधुरी दीक्षित का इंस्टाग्राम उनके एक से बढ़कर एक खूबसूरत तस्वीरों से भरी पड़ी है। अभिनेत्री वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल, हर लुक में कमाल लाती है और एकर्यरीन अभिनेत्री के हर लुक को उनके फैस का पसंद करते हैं।

बता दें कि लाल ही में अभिनेत्री कूपूर ने 'तेजाव' के 36 साल पूरे होने का जश्न सोशल मीडिया पर एक पोस्टर शेयर कर मनाया। अभिनेत्री ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कुछ लोग एक दो तीन चार

